Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 1 September 2019
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-11 Issue - 13

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week आखिरकार लंबे समय के इंतजार के बाद रिलायंस जियो फाइबर 5 सितंबर को लॉन्च हो गया। इसके छह प्लान पेश हुए है। प्लान्स की शुरुआत 699 रुपये से होती है और इसका प्रीमियम प्लान 8,499 रुपये का है। कंपनी यूजर्स को फ्री एचडी टीवी भी ऑफर कर रही है।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2
शहर में कई स्थानों पर विराजे भगवान गणेश

पेज नंबर 5
Diversion on Film City flyover to decongest ...

TIRUPATIEYE

बिजली चोरी होने पर एसडीओ पर कार्रवाई

गाजियाबाद : बिजली चोरी होने पर संबंधित क्षेत्र के एसडीओ को जिम्मेदारी माना जाएगा। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम ने इस संबंध में आदेश पारित किया है। उसमें कहा गया है कि जिस क्षेत्र में बिजली चोरी पाई गई, उस इलाके के एसडीओ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ को अब कार्रवाई से बचना है तो बिजली चोरी रोकने पर ज्यादा जोर देना होगा। बता दें कि विद्युत निगम बिजली चोरी रोकने के लिए गंभीर है। उसके लिए मास रेड अभियान चलाया जा रहा है।

नगर निगम बोर्ड बैठक नौ सितंबर का

गाजियाबाद : नगर निगम की बोर्ड बैठक नौ सितंबर को आयोजित होगा। मेयर आशा शर्मा ने नगर आयुक्त को बैठक की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आदेश दिया है। इस बैठक में जल मूल्य लगाने, शहीदों की विधवाओं का हाउस टैक्स माफ करने, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को पार्किंग का इंतजाम करने के लिए बाध्य करने समेत 40 से ज्यादा प्रस्तावों पर चर्चा होगी।

चार सीओ के कार्यक्षेत्र बदले गए

गाजियाबाद : एसएसपी सुधीर कुमार सिंह ने कई सीओ के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। जिले में नए आए सहायक पुलिस अधीक्षक केशव कुमार को क्षेत्राधिकारी सिटी थर्ड व लाइन का चार्ज दिया है। अंशु जैन को सीओ सदर और अपराध, प्रभात कुमार को सीओ कार्यालय आंकिक और महिपाल सिंह को सीओ ट्रैफिक बनाया गया है।

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर ने परमानंद वाटिका में लगाए पौधे

इससे पूर्व भी क्लब द्वारा वाटिका में लगाए जा चुके है 80 पौधे, होती है देखरेख

वसुंधरा : रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर ने शुक्रवार सुबह वसुंधरा सेक्टर–12 स्थित परमानंद वाटिका में आम, चीकू, आडू, पपीता, नीम आदि के 15 पौधे लगाए। इस दौरान क्लब ने पौधों के बड़े होने तक इनकी देखरेख का भी संकल्प लिया। इससे पूर्व भी क्लब द्वारा परमानंद वाटिका में करीब 80 पौधे लगाए जा चुके है, जिनकी देखरेख क्लब द्वारा की जाती है। उन्हें समय–समय पर पानी दिया जाता है। रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर के चार्टर प्रेजीडेंट डा.धीरज भार्गव ने बताया कि जिस तरह वसुंधरा में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है यह एक चिंता का विषय है। इसके लिए सभी को जागरूक होना होगा और अधिक से अधिक पौधे लगाने होंगे। सिर्फ पौधे लगाने से काम नहीं चलेगा इन पौधे के बड़े होने तक देखरेख भी करें। जिससे जो पौधे लगाए जाए वे जीवित रह सके। यदि हम सभी प्रतिमाह एक–एक पौधा भी लगाए तो कुछ ही माह में जिले में करोड़ो पौधे लग जाएंगे। जिससे जनपद प्रदूषण मुक्त हो जाएगा। इसके लिए शासन प्रशासन को पौधारोपण अभियान चलाने की भी जरूरत नहीं होगी। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखरेख करने का अनुरोध किया। पौधारोपण में अपूर्व राज, चंद्रा सिंघल, मनीषा भार्गव, नीरज वत्स, संजय, विक्रम, सीटू, रिंकी और इंद्रेश ने भी सहयोग किया।

जनसुविधा केंद्रों पर मांगी गई रिश्वत तो दर्ज होगी एफआइआर

गाजियाबाद : जन सुविधा केंद्रों पर चल रही गड़बड़ी पर प्रशासन ने नकेल कसने की तैयारी कर ली है। अब यदि किसी जन सुविधा केंद्र पर आवेदक से रिश्वत की मांग की गई तो संबंधित केंद्र के प्रभारी समेत अन्य कर्मचारियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही केंद्रों की व्यवस्था सुधारने के लिए एसडीएम व तहसीलदार अपनी तहसील क्षेत्र में आने वाले केंद्रों के प्रभारियों के साथ हर बुधवार को बैठक करेंगे। इस संबंध में डीएम अजय शंकर पांडेय ने संबंधित एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देश जारी कर दिए हैं। बता दें कि हाल में ही जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय को शिकायतें मिली थी कि जनसुविधा केंद्रों पर आने वाले आवेदकों से रिश्वत ली जा रही है। इसके बाद जिलाधिकारी ने मजिस्ट्रेटों को फरियादी बनाकर केंद्रों पर भेजा और औचक निरीक्षण कराया। इस दौरान खामियां पाई जाने पर कई केंद्रों को सील किया गया और कई को निरस्त किया गया। केंद्रों पर चल रही इस प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए अब जिलाधिकारी ने यह पहल की है। इस संबंध में जनसुविधा केंद्रों के जिला स्तरीय कॉऑर्डिनेटर को भी तलब किया था। समीक्षा में अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने कॉऑर्डिनेटर के खिलाफ शासन को लिखा है।

Swachh star Ghaziabad slips up, stares at rankings fall

GHAZIABAD: For two consecutive years, Ghaziabad has been the star performer in the Swachh Bharat rankings, finishing at 13th spot on the national index in 2019 from 351st in 2017. The improvement was visible everywhere, from clean roads to even footpaths and manicured parks. But this dream run could very well end in the next Swachh Bharat exercise in 2020 because of glaring gaps that have crept into its infrastructure and maintenance. A Ghaziabad Municipal Corporation (GMC) official said the district's performance has left much to be desired in some key Swachh Bharat parameters, and in some areas, gains made over the past two years were being negated. For instance, there is very little progress so far this year in creating awareness among residents. Residents' complaints on the Swachhata app are not being redressed. "The Centre has this time changed the format to determine Swachh rankings. Till this time last year, the civic body had organised around 300 workshops involving residents to create awareness.

पेट्रोल पंपों का कराया जाएगा औचक निरीक्षण : जिलाधिकारी

गाजियाबाद : जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिले के पेट्रोल पंप एसोसिएशन व पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक ली। बैठक में उन्होंने संचालकों को निर्देश दिए कि पेट्रोल पंपों पर शुद्धता के साथ पेट्रोल व डीजल उपलब्ध कराया जाए और किसी प्रकार की घटतौली नहीं हो। सभी पेट्रोल पंपों पर स्वच्छ शौचालय, स्वश्छ पीने का पानी अन्य सुविध ाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही सभी पेट्रोल पंप स्वामी पारदर्शिता के साथ अपने पेट्रोल पंप पर पेट्रोल–डीजल की बिक्री सुनिश्चित कराएं। पंपों पर बिना सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन चालकों व बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल न दिया जाए। डीएम ने समय–समय पर पेट्रोल पंपों का औचिक निरीक्षण कराया जाएगा और जहां खामी पाई जाएगी उस पेट्रोल पंप के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पेट्रोल पंप संचालकों ने भी अपनी समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल या डीजल न देने पर ग्राहक लड़ाई करता है, इसके साथ ही बिना हेलमेट के पेट्रोल न देने पर लोग जबरदस्ती करते हैं।

शहर में कई स्थानों पर विराजे भगवान गणेश, दूधेश्वरनाथ मंदिर में गणपति को लगाया 21 हजार लडडुओं का भोग

गाजियाबाद : गणेश चतुर्थी के मौके पर शहर में अनेक स्थानों पर गणपति प्रतिमाएं स्थापित की गईं। सोमवार को पूरा शहर गणपति भक्ति से सराबोर नजर आ रहा था। शहर के प्रमुख मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। घरों में भी लोगों ने व्रत रखा व गणपति की पूजा की। वहीं पंडालों में भगवान गणपति के विराजने पर उत्सव सा माहौल दिखाई दिया। दूधेश्वरनाथ मंदिर में गणपति को 21 हजार लड्डुओं का भोग लगाया गया। जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर में भगवान गणपति को 21 हजार लड्डुओं का भोग लगाया गया। जिसे आटा, चीनी, देसी घी, खोपरा, बेसन, गोंद, पंचमेवा, गोंद, इलाइची आदि से तैयार किया गया है। यहां पर प्रतिदिन गणपति को 21 हजार लड्डुओं का भोग लगेगा। पीठाधीश महंत नारायण गिरी जी महाराज,, मंदिर विकास समिति के अध यक्ष धर्मपाल गर्ग द्वारा मूर्ति स्थापना की गई। दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के आचार्य व छात्रों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ गणपति बप्पा की वंदना की गई।

विरोध के चलते सिकरोड में कूड़ा डलना होगा बंद

गाजियाबाद : नगर निगम भट्टा नंबर पांच सिकरोड स्थित जमीन पर कूड़ा डालना बंद करेगा। लोगों के विरोध के चलते निर्णय लिया गया है। सोमवार को भी कुछ स्थानीय लोगों ने कूड़ा डलने का विरोध किया था। निगम अधि ाकारियों ने बताया कि अब गालंद में वेस्ट–टू–एनर्जी प्लांट के लिए खरीदी गई जमीन पर सैनेटरी लैंडफिल साइट बनाकर कूड़े का निस्तारण किया जाएगा। इस वर्ष जनवरी में एनजीटी की निगरानी समिति के आदेश पर सिद्धार्थ विहार स्थित डंपिंग ग्राउंड में कूड़ा डालना बंद कर दिया गया था। तब से तीन स्थानों पर किराए की जमीन लेकर कूड़ा निस्तारण किया जा रहा है।

डीएम ने ड्रॉ के माध्यम से किए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के तबादले

गाजियाबाद : जिले में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के अरमानों पर सोमवार को जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने पानी फेर दिया। मनचाही पोस्टिग चाह रहे अधिकारियों के अरमान धरे के धरे रह गए। पोस्टिग में न तो नेता जी की सिफारिश काम आई और न ही आलाअधिकारियों को रुआब। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने किसी की सिफारिश न मानते हुए सभी अधिकारियों की पोस्टिंग ड्रॉ के माध्यम से कर दी। पिछले एक माह से रूका हुआ ट्रांसफर का काम सोमवार को 30 मिनट के भीतर हो गया। जिलाधिकारी ने सोमवार को ड्रॉ के माध्यम से सभी 17 खाद्य सुरक्षा अधि ाकारियों के ट्रांसफर कर दिए और उन्हें बुधवार तक अपनी नई पोस्टिंग पर चार्ज लेकर काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि शासनदेश के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के स्थानांतरण जिला खाद्य सुरक्षा विभाग के जिला अभिहित अधि ाकारी के प्रस्ताव पर किए जाने का प्रावधान है। इसके अनुसार पिछले एक माह से अधिकारियों के स्थानांतरण की प्रक्रिया चल रही थी। सूत्रों के मुताबिक खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनचाही पोस्टिंग पाने के लिए विभिन्न स्तर से सिफारिश लगवा रहे थे और पैरवी करा रहे थे।

शहर में विकसित होगा मॉडल पार्क, योगा कॉर्नर बनाना जरूरी

गाजियाबाद : शहर में एक मॉडल पार्क विकसित किया जाएगा। शासन ने जिलाधिकारी को पार्क का चयन करने की जिम्मेदारी दी है। पार्क में योगा कॉर्नर बनाना जरूरी होगा। इसके अलावा बच्चों के खेलने और बड़ों के लिए व्यायाम करने का इंतजाम करना होगा। नगर निगम इसे विकसित करेगा। नगर निगम क्षेत्र में छोटे–बड़े 1250 पार्क हैं। इनमें 900 से ज्यादा विकसित पार्क हैं। बाकी पार्क अविकसित हैं। एक–एक करके पार्कों की सूरत बदलने के इरादे से शासन ने पार्कों का निर्माण एवं विकास योजना लागू की है। इस योजना के तहत पहले एक मॉडल पार्क बनाया जाएगा।

जननी सुरक्षा योजना और टीकाकरण में पिछड़ा जिला

गाजियाबाद : जननी सुरक्षा योजना और टीकाकरण में जिले का स्वास्थ्य विभाग लगातार पिछड़ रहा है। अगस्त माह के दौरान जिले में जननी सुरक्षा योजना के तहत महज 82 फीसद लाभार्थियों को भुगतान और टीकाकरण में विभाग 81 फीसद लक्ष्य ही प्राप्त कर सका है। रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त अस्पताल और मोदीनगर सीएचसी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा है। केंद्र और प्रदेश शासन स्तर से जननी सुरक्षा योजना को लेकर खासी सख्ती बरत रहा है। हालांकि जिले का स्वास्थ्य विभाग पिछले लंबे समय से जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) में शत प्रतिशत लाभार्थियों को भुगतान नहीं कर पा रहा है।

मिहिर भोज की जयंती पर गुर्जरों ने कराया ताकत का एहसास, निकाली बाइक रैली

गाजियाबाद : आदिवराह चक्रवर्ती गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज महान की जयंती पर रविवार को एबीवीजी (अखिल भारतीय वीर गुर्जर) महासभा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में गुर्जर समाज के लोगों ने जनपद में बाइक रैली निकाली। कविनगर गुर्जर भवन से मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली विभिन्न स्थानों से होते हुए वापस यहीं आकर समाप्त हुई। इस दौरान कई स्थानों पर रैली का स्वागत किया गया। एबीवीजी ने मिहिर भोज जयंती पर 10वां अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस मनाया और अपनी ताकत का एहसास कराया। कविनगर स्थित गुर्जर भवन में रैली से पूर्व एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मिहिर भोज के जीवन पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज गरीबों की रक्षा करने वाले राजा थे जिन्होंने कभी विदेशी आक्रमणकारियों के सामने घुटने नहीं टेके। अपने समय में सम्राट मिहिर भोज के पास विश्व की सबसे बड़ी सेना थी। आदिवराह चक्रवर्ती गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज महान की जयंती पर हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस मनाया जाता है। इस बार जयंती पर 10वां अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस मनाया गया। कविनगर स्थित गुर्जर भवन पर रविवार सुबह करीब दस बजे से अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के प्रदेश महासचिव एकलव्य बैसला व जिलाध्यक्ष प्रियांक विकल के नेतृत्व में गुर्जर समाज के हजारों लोग बाइकों के साथ एकत्र हुए। पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शास्त्री नगर चौराहे, हापुड़ चुंगी, कलेक्ट्रेट, पुराना बस अड्डा, ठाकुर द्वारा मोड़, घंटाघर, चौधरी मोड़, तुराबनगर, कालका गढ़ी चौक, होली चाइल्ड चौक से फ्लाईओवर के ऊपर से सीधा गुर्जर भवन कविनगर पर आकर समाप्त हुई। इस दौरान कविनगर मिलन बैंकट हॉल पर पार्षद राजकुमार नागर, पार्षद हिमांशु लव घंटाघर पर व्यापारी समाज ने रैली का स्वागत किया। रैली में सम्राट मिहिर भोज के जयकारें लगाए गए। रैली समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता पृथ्वी सिंह कसाना, हातम सिंह नागर, श्यामवीर चौधरी, ईश्वर मावी, आदि लोग रैली में शामिल हुए।

संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तत्वावधान में सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में ब्रेन स्ट्रोक पर हेल्थ टॉक का आयोजन

आज युवाओं पर भी मंडरा रहा है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा : डॉ.कपिल सिंघल

गाजियाबाद : संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान (आरएचएएम) के तत्वावधान में बुलंदशहर औद्योगिक क्षेत्र स्थित सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में शुक्रवार को ब्रेन हैमरेज पर हेल्थ टॉक का आयोजन किया गया। रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली विकास, रोटरी क्लब ऑफ मावेरिक्स, मैक्स अस्पताल व आरएचएएम के छह क्लब द्वारा आयोजित हेल्थ टॉक में मैक्स अस्पताल के डॉ.कपिल सिंघल ने अध्यापकों को ब्रेन हैमरेज के बारे में जागरूक किया। इस दौरान अध्यापक–अध्यापिकाओं ने डाक्टर से सवाल–जवाब भी किए। मैक्स अस्पताल के डॉ.कपिल सिंघल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मस्तिष्क के किसी हिस्से में रक्त की आपूर्ति बाधित होने या गंभीर रूप से कम होने के कारण स्ट्रोक होता है। इसका मुख्य कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रक्त शर्करा, उच्च कोलेस्ट्रॉल, शराब, धूम्रपान और मादक पदार्थों की लत के अलावा आरामतलब जीवन शैली, मोटापा, जंक फूड का सेवन और तनाव है। पहले यह समस्या बढ़ती उम्र में होती थी वही आज स्ट्रोक का खतरा युवाओं पर भी मंडरा रहा है। अनियमित जीवन शैली, खानपान और तनाव स्ट्रोक होने के मुख्य कारणों में से है। इससे बचाव के लिए व्यायाम, उचित खानपान और नशे से दूर रहने की सबसे ज्यादा जरूरत है। 60 वर्ष से ऊपर की उम्र के लोगों में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण ब्रेन स्ट्रोक है। यह 15 से 59 वर्ष के आयुवर्ग में मौत का पांचवां सबसे बड़ा कारण है। स्ट्रोक आने के बाद 70 फीसदी मरीज अपनी सुनने और देखने की क्षमता खो देते हैं। साथ ही 30 फीसदी मरीजों को दूसरे लोगों के सहारे की जरूरत पड़ती है। ब्रेन स्ट्रोक को समय पर सही इलाज देकर ठीक किया जा सकता है, लेकिन इलाज में देरी होने पर लाखों न्यूरॉन्स क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और मस्तिष्क के अधिकतर कार्य प्रभावित होने लगते हैं। शरीर का कोई एक हिस्सा सुन्न होने लगता है और उसमें कमजोरी या लकवा जैसी स्थिति होने लगती है। मरीज को बोलने में दिक्कत आ सकती है, झुरझुरी आती है और उसके चेहरे की मांस पेशियां कमजोर हो जाती हैं जिससे लार बहने लगती है। उन्होंने बताया कि देश में हर साल ब्रेन स्ट्रोक के लगभग 15 लाख नए मामले दर्ज किए जाते हैं और यह असामयिक मृत्यु और विकलांगता की एक बड़ी वजह बनता जा रहा है। वहीं संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयर डॉ.धीरज भार्गव ने कहा कि स्ट्रोक की वजह से रोगी की जान जा सकती है या फिर वो स्थाई तौर पर विकलांग हो सकता है। इसलिए स्ट्रोक के दौरान मरीज को सोने न दिया जाए क्योंकि ये जानलेवा साबित हो सकता है। मरीज के लिए तुरंत एंबुलेंस की व्यवस्था की जानी चाहिए. मरीज को खुद ड्राइव न करने दिया जाए। कुछ भी खाने–पीने को न दें क्योंकि स्ट्रोक के दौरान शरीर की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, इसलिए चोकिंग का खतरा बढ़ जाता है। ब्रेन स्ट्रोक पड़ने पर उसे खुद से कोई दवा न दें। आमतौर पर लोगों को लगता है कि एस्पिरिन देने से मरीज को आराम मिलता है बल्कि ऐसा नहीं होता, अगर स्ट्रोक रक्त वाहिकाओं से फटने से हुआ है, तो एस्पिरिन की वजह से हालत और खराब हो सकती है। इसके लक्षणों को पहचान कर तुरंत चिकित्सीय सहायता के जरिए स्ट्रोक के कारण मौत या अक्षमता की आशंका कम की जा सकती है। इस दौरान मैक्स अस्पताल से रोशन, रोटरी क्लब ऑफ मावेरिक्स के अध्यक्ष मुकेश जोशी, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली इस्टर्न के अध्यक्ष अनिल छाबरा, अपूर्व राज, विक्रम, संजय के अलावा काफी संख्या में अध्यापक–अध्यापिकाएं मौजूद रहे।

ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए इसी माह शुरू होगा कार्य

गाजियाबाद : शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइटीएमएस) लगाने का कार्य इसी माह शुरू हो जाएगा। जीडीए अधिकारियों ने कंपनी से मोलभाव के बाद सौदा 69.95 करोड़ रुपये में तय कर लिया है। करीब पंद्रह दिन बाद मेरठ तिराहे से आइटीएमएस लगाने का काम शुरू हो जाएगा। चरणबद्ध तरीके से इस परियोजना पर काम किया जाएगा। आइटीएमएस प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए चयनित कंपनी ने पहले जीडीए को 84 करोड़ रुपये की लागत का प्रस्ताव सौंपा था। जीडीए अधिकारियों को मालूम हुआ था कि लखनऊ में यही कंपनी 60 करोड़ रुपये में प्रोजेक्ट पर काम कर चुकी है। इस पर जीडीए ने कंपनी को लागत कम करने के लिए कहा। कई दौर की बातचीत और मोलभाव के बाद कंपनी ने आठ करोड़ रुपये घटाते हुए 76.93 करोड़ रुपये में काम करने का संशोधित प्रस्ताव सौंपा। यह लागत भी जीडीए अधिकारियों को ज्यादा लगी। कंपनी को फिर से लागत में कटौती के लिए मोलभाव शुरू हुआ। कंपनी को स्पष्ट बताया गया कि कैमरों और संसाधनों में किसी तरह की कटौती किए बगैर लागत को कम किया जाए। एक महीने की मशक्कत के बाद 69.95 करोड़ रुपये में सौदा तय हो गया है। इसमें पांच साल तक आइटीएमएस के रखरखाव की लागत भी शामिल रहेगी। सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन होने की वजह से जाम ज्यादा लगता है। आइटीएमएस लगने के बाद नियमों का पालन करने के लिए शहर के लोग बाध्य होंगे। सड़कों पर ट्रैफिक सर्विलांस के लिए 110 पीटीजेड (पैन टिल्ट जूम) कैमरे लगेंगे। दुर्घटना और वारदात होने पर इन कैमरों को जूम करके वाहन की जानकारी ली जा सकेगी।

मानक से कई गुना अधिक बोझ ढो रहे बच्चे

गाजियाबाद : शहर के निजी स्कूल में पढने वाले कक्षा पांच तक के छात्र–छात्रा नौ किलो का वजन स्कूल बैग में ढो रहे हैं। बच्चों के बैग का वजन मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय की ओर से तय किए गए मानक से पांच–छह किलो अधिक है। अभिभावक संघ की ओर से चलाए जा रहे स्कूल बैग रियल्टी चेक अभियान में मामले सामने आए। जांच के दौरान सभी बच्चों के स्कूल बैग का वजन तय मानकों से अधिक निकला। अभिभावक संघ की ओर से स्कूल बैग रियल्टी चेक अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को शास्त्रीनगर के एक निजी स्कूल में छुट्टी के बाद अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान सभी बच्चों के बैग का वजन किया गया। अभिभावक संघ के पदाधिकारी विवेक त्यागी ने बताया कि वजन तोलने के दौरान कक्षा पांच के छात्र–छात्राओं के बैग का वजन नौ किलोग्राम निकला। यही नहीं यूकेजी और एलकेजी के छात्र–छात्राओं के स्कूल बैग का वजन तीन से चार किलो है।अभिभावक संघ की अध्यक्ष सीमा त्यागी का कहना है कि निजी स्कूल मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

EDITORIAL

NRC : An experiment gone awry

Thirty years after an anti-immigrant movement rocked the state of Assam, the process of identifying Indian citizens and detecting outsiders finally reached a (partial) conclusion on Saturday. The National Register of Citizens was updated, excluding over 1.9 million people - six percent of Assam's population. The NRC process took four years, involved the massive deployment of the bureaucratic machinery, became one of the most contentious political issues in contemporary India, deepened existing cleavages in Assamese society, and delivered an outcome with which no one is happy. The roots of the NRC can be traced back to the Assam movement, when "indigenous" Assamese mobilised sentiment against the perceived influx of immigrants, particularly from Bangladesh. After a series of agreements, and laws made and unmade, the Supreme Court directed and closely monitored the process of updating the NRC. The political push came from the Bharatiya Janata Party, which saw in the exercise an opportunity to fulfil an old promise of deporting immigrants. Its assumption was that a majority of those identified as such would be Muslims. It was this combination of an old local identity-based movement, an over-zealous judiciary, and political activism by a party keen to make electoral inroads in a new region and pursue its ideological agenda that led to the NRC.

But the process has had tremendous costs, with little tangible benefit. At the human level, stories abound of Indians — including the old and ill; those with long periods of service to the nation; and across religious communities and ethnicities — struggling to prove their citizenship. Even though the final list has seen the number of those excluded dip from 4 million to 1.9 million, political parties across the board believe that genuine citizens have still been left out. Politically, the issue has deepened the communal divide not only in Assam but also other parts of the country where the BJP has promised to kick start the NRC process. (It is a different matter that the party itself is not happy with the outcome of the NRC in Assam, for it had expected a higher exclusion of Muslims and lower of Hindus.) These divisions will not be easy to heal. The episode has also brought out the perils of an interventionist judiciary which prioritised identifying immigrants without carefully considering the difficulties in the process. The fate of those excluded is uncertain, for deportation is not feasible and detention centres would be ethically wrong and a blot on Indian democracy. There have been diplomatic costs too. While India has assured Bangladesh that it is an internal matter, Dhaka has been concerned about the rhetoric emanating from Indian leaders. On the other side, the benefits are unclear for no section of Assamese society is happy with the outcome. India must avoid such experiments in the future.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

'Competitive prices needed for unsold flats'

GHAZIABAD: The state government has directed the development authorities across the state to come up with a policy to sell their unsold flats and commercial spaces. A meeting was held in Lucknow on Wednesday in this regard, which was chaired by the principal secretary of the housing and urban planning department and attended by finance controllers from development authorities. GDA vice-chairman Kanchan Verma said the move is aimed at formulating a calculation method which will help the authorities to offer prices of its properties that can compete with those offered by private builders. "There is a huge gap between the price offered by us and the private builder for flats which are similar in dimensions. A flat which is being offered by GDA at Rs 1.25 crore, is made available for Rs 75 lakh in the market by a private builder. In such a scenario, why will a person go for our property?" the VC said. According to an estimate, the cost of unsold GDA properties is around Rs 2,000 crore. Despite conducting auctions for more around 15 to 20 times in the past, the authority failed to sell them. The GDA has also drastically reduced its administrative and supervision charges which it levies on its properties to make them competitive, but it has also been found to be inadequate. The VC said the entire exercise is being done to come with a method which will help in overcoming this issue.

Hands stuck in car window, men dragged for 300m; one run over

GHAZIABAD: A 25-year-old man died and his younger cousin is battling for life in hospital after their hands got stuck in the windows of a car they were pushing and they were dragged for around 300 metres when the driver pressed the accelerator. Police said the deceased, Aarif, had bought the second-hand Swift car on OLX and was returning home to Hapur after completing paperwork in a Ghaziabad court when the accident occurred. His cousin Farmaan (23) is admitted in hospital with several fractures. Police said the accident occurred near Yashoda Hospital when the former owner of the car, identified as one Barkat Ali, tried to speed away with the vehicle.

Yogi Adityanath invites PM Narendra Modi to Greater Noida event

LUCKNOW: In arguably the first-of-its-kind research in the country, Dr Ram Manohar Lohia National Law University will study Mahabharata from both literary and legal perspectives. The research, titled 'Moral complexities and dilemmas in Vyasa's Mahabharata', will be conducted by PhD student Bhavya Arora under the supervision of assistant professor Alka Singh, who is also spokesperson for the university. The research will dwell on identity of women, gender studies, ownership, human rights, disarmament, and how these issues can be juxtaposed with the law. "We will be the first law university in the country to conduct research in this area. In Mahabharata, there are many instances of legal justice that need to be questioned and analysed," said assistant professor Singh. "The study will establish an intricate bond that exists between law and literature," she added. Research scholar Bhavya said, "An epic like Mahabharata helps decode why and how an ancient text can function as a model for contemporary global concerns, and an analysis of gender, law, politics, questions of ownership, primogeniture and a lot more." Bhavya maintained that the epic served as a mode to understand contemporary issues, which have now become a question of human rights. For instance, a close analysis of Draupadi's character reveals how a heroine comes out as an astute upholder of individual rights.

2 years after accident, FIR lodged

GREATER NOIDA: An unidentified person has been booked after two and a half years for rash driving and causing death due to negligence. The brother of the deceased alleged that he approached the Knowledge Park police station multiple times to get the FIR lodged but police said it was too late. According to Amit Kumar, on January 7, 2017, his brother, Anuj, who worked as an engineer in a private company, suffered serious injuries after his Bullet bike was hit by another speedy motorcycle.

अवैध निर्माण ध्वस्त करने की बनाई कार्ययोजना

गाजियाबाद : जीडीए ने अवैध निर्माण ध्वस्त करने के लिए एक महीने की कार्ययोजना तैयार की है। आठ जोन में से प्रत्येक जोन में एक महीने में दो दिन ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। अभियंत्रण खंड की गतिविधियों के लिए शुक्रवार का दिन आरक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों अवैध निर्माण पर चिंता जाहिर की थी। प्रदेश के सभी प्राधिकरणों को आदेश दिया था कि अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कमिश्नर ने इस आदेश संज्ञान लेकर जीडीए को कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। छुट्टयों और कार्य दिवसों को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार की गई है। उसके तहत एक महीने प्रत्येक जोन में दो बार ध्वस्तीकरण किया जाएगा। इस कार्ययोजना से पुलिस को अवगत करा दिया गया है। ताकि, कार्रवाई के लिए समय से पुलिस बल मिल जाए। जीडीए सचिव ने कार्ययोजना सभी जोन प्रवर्तन प्रभारियों व अभियंत्रण के अधिशासी अभियंता को भेज दी है। जीडीए सचिव संतोष कुमार राय का कहना है कि अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। रोजाना कार्रवाई की रिपोर्ट ली जाएगी। उससे शासन को अवगत करा दिया जाएगा।

इस वर्ष अब तक दस अवैध निर्माण ध्वस्त

जीडीए के रिकॉर्ड पर गौर करें तो वर्तमान वर्ष में 163 अवैध निर्माण पाए गए। उनमें से महज 10 ध्वस्त हुए, 32 सील किए गए। वर्ष 2017–18 में 1255 चिह्नित अवैध निर्माण में से 219 पर कार्रवाई हुई। वर्ष 2018–19 में 842 अवैध निर्माण में से 333 पर कार्रवाई हुई। इसके अलावा 321 अवैध कॉलोनियां हैं।

Cousin kills 40-year-old after fight between their kids

GHAZIABAD: A 40-year-old man was stabbed to death by his cousin in Masuri's Amipur Barela village on Saturday. According to the police, a heated argument between the cousins over a fight between their children led to the crime. "Sandeep and Deepak resided in the same area. On Saturday evening, their kids were playing in the locality when they got into a fight. Soon, the fathers Sandeep and Deepak intervened. They got into an argument. Deepak's father Rampuri and a relative Zile Singh also joined Deepak and started accusing Sandeep. Soon, in a fit of rage Deepak stabbed Sandeep with a knife on his chest," a relative told the police. Neighbours rushed Sandeep to a hospital in Modinagar where he died during treatment. Vinod, Sandeep's brother, filed a complaint against Deepak, Rampuri and Zile Singh based on which an FIR was lodged at Masuri police station. "Deepak was arrested on Sunday, while his father and relative the co-accused in the case — are absconding," an officer said.

Noida: 12 zones for 1,001 vendors in 1st phase

NOIDA: The Noida Authority on Sunday came out with the first phase of vendor zone policy where about 1,001 registered vendors will be given spaces across 12 locations. These include green belts of sectors 50, 51, 35, 71, 125, 137 and more. "In order to ensure a clean city with smooth flow of uninterrupted traffic, a dedicated vendor zone policy was devised on Sunday whereby roadside vendors, makeshift shops and kiosks which add to the encroachment of roads, were given a dedicated vending zone across 12 locations in the city.

GZB woman detained for carrying Rs 19.5 lakh in demonetised notes

CHENNAI: Taramani police on Saturday detained a 58-year-old woman in possession of Rs 19.5 lakh in demonetised currency, all in Rs 1,000 notes. The woman was identified as Alka Mishra from Ghaziabad in Uttar Pradesh who stays in Bengaluru. Police said she came to Chennai as a tourist and stayed at a hotel in Taramani for a day. When she was about to check out, and was trying to take out take out cash, the employee at the reception noticed two bundles of rs 1,000 demonetised notes inside the bag. The employee informed the manager, who in turn, informed the Taramani police station. Police team arrived at the hotel and nabbed the woman. They examined her bag and discovered two bundles of demonetised currency notes. During questioning, Alka Misra told police that she had been carrying the cash in her hand bag since 2017 as she could not change the notes after demonetisation on November 8, 2016. The woman claimed to have received the cash through a nationalised bank in 2016.

'Safaigiri': Noida Authority's big push for better Swachh ranking

NOIDA: With the aim to improve its ranking in Swachh Survekshan 2020, the Noida Authority continued the second phase of its weekend sanitation drive called 'safaigiri' at sectors 14, 18, 46 and 105 on Sunday. The drive, which started on August 25 from Sector 51, began on at 7.30am where staff from all departments - water, horticulture, electricity and public health - visited the sectors and took stock of sanitation and other civic issues. They also administered an oath towards cleanliness amongst residents and traders in Sector 18 market.

Diversion on Film City flyover to decongest Noida Link road

NOIDA: The traffic police have created a diversion to stop vehicles travelling from GIP to Mayur Vihar from taking the Film City flyover in an attempt to decongest the Noida Link road. Noida traffic police said the step had been taken to ensure smooth traffic flow on the expressway, as around 3,000 national and foreign delegates, ministers and ambassadors from 196 countries are expected to visit the Greater Noida Expo Centre where the United Nations Conference of the Parties (COP) 14 would be held from September 2. The measure is temporary, traffic police said. "The diversion is

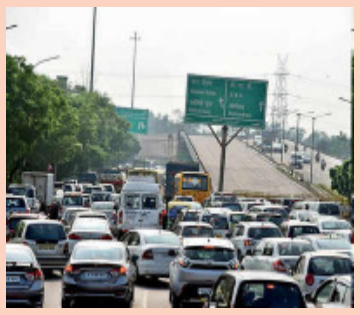

in effect from Friday evening. The vehicles travelling from GIP underpass will now have to take a left turn on the Noida Expressway and then take a U-Turn near the Dalit Prerna Sthal to continue travelling towards Sector 14 A, Mayur Vihar and Akshardham," said Satish Kumar, circle officer, in Noida traffic police. Noida Link road is one of the main stretches that connect Delhi and Noida-Greater Noida. "The road towards Sector 14A was congested because of merging of seven lanes on the four lanes of the link road. A few days ago, we had placed a divider to ensure easy flow of traffic. But complaints of traffic jams did not stop. Which is why, we have blocked three lanes and diverted traffic towards the U-Turn with the hope that it will help decongest the road," said Kumar. "The step is temporary. The diversion is expected to be there till the convention is on," said Kumar. The conference will end on September 13. The visit to the area showed work to beautify the stretch is on, ahead of the convention.

Noida: Man dies after getting stuck in electronic sliding gate

NOIDA: A 43-year-old truck driver died after allegedly getting trapped in an electronic sliding gate at the premise of Uflex Ltd in Sector 61, Noida on Saturday morning. The deceased Sudhir had come to unload raw materials inside the company when his neck got trapped in the gate. Police said that Sudhir got off the vehicle and peeped through the main gate which was slightly open to find the security guard who was sitting next to the gate. Though the guard saw him, he allegedly pressed the wrong button which led to the door closing in.

Rs 5,000 crore fraud: Firm's Noida office raided for evidence

NOIDA: A six-member team of the Cyberabad Economic Offences Wing (EOW) on Sunday raided the Sector 63 office of eBiz.com, an alleged multilevel marketing company, whose promoters have been arrested for cheating thousands of people of over Rs 5,000 crore through money circulation schemes. The EOW team took the firm's MD Pawan Malhan and his son Hitik Malhan, who looked after the company affairs, to the spot and confiscated documents during the four-hour raid. The office has been shut since Hitik was first detained from Noida by Telangana police in March. It has been sealed afresh. Phase III SHO Devendra Singh told TBC that the Cyberabad EOW team had arrived to collect evidence. "The accused were brought along. The local police station provided some assistance in the raid," he said. eBiz.com Pvt Ltd was established in 2001 at Noida. It has around 17 lakh members, according to Cyberabad police. FIRs have been lodged against it at Madhapur, Warangal and Adilabad police stations in Telangana and other parts of the country.

Man thrashed in Noida for trying to 'kidnap' teenager

NOIDA: Amid fears of child-lifters operating across the state, a man in his twenties was thrashed by several villagers in Sadarpur area late Saturday night over rumours that he was trying to kidnap a 16-year-old girl. While Sector 39 police arrested three men who were "holding sticks" and booked them for spreading misinformation, the villagers and the girl's relatives said their complaint was genuine. The three arrested men are Vishal (19), Mahipal (30) and Santosh (20).

Wildlife agency roped in for Jewar wetlands

GREATER NOIDA: The Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) has roped in the Dehradun-based Wildlife Institute of India (WII) to study the ecology around the upcoming Jewar international airport and come up with a plan to conserve the environment that would be affected by the project. Officials said an MoU between YEIDA and WII, an autonomous institution under the ministry of environment, forests and climate change, was signed in Dehradun on Friday. Under the pact, a team of experts from WII will conduct the study and submit its plan, by October 30, to protect the flora and fauna in the 10km radius around the upcoming airport. And the development agency will subsequently implement the WII recommendations, they said. "The WII experts will study the area for the number of trees to be cut and replanted, the number of wetlands that need to be restored, and the flora and fauna of the area, including the rehabilitation of rare black bucks, cranes and peacocks," said Arun Vir Singh, CEO of YEIDA. "We do not have forest land where extensive precaution is required.

Setting up illegal hoardings in Ghaziabad? You can be booked

GHAZIABAD: The district administration has decided to file police complaints against people and firms who put up unauthorised advertisements in the city. Civic bodies like GDA, GMC and nagar palikas have been directed to conduct a survey of advertisements displayed on unipoles, foot overbridges (FOBs) and at the city entry points and submit a report to the district administration. Besides civic agencies, private firms which have been awarded tenders for advertisement have also been asked to provide details of the agreement, spots and durations for which they have been granted permission, as well as the revenue being generated through such spaces. The district magistrate's (DM) office has also issued a format for filling up the details. The move comes close on the heels of GMC issuing notices to seven firms for violating the terms of agreement for putting up advertisements on FOBs in the city. The seven firms, which built FOBs under the build-operate-transfer (BOT) model, allegedly didn't provide ramps, lifts or escalators for disabled and elderly persons. The civic body, through the notices, said it would cancel the agreement and gave a week's time to the firms to file replies. DM Ajay Shankar Pandey said, "This initiative has been taken to break the cartel where individuals and firms have even prepared forged papers and awarded themselves rights to put up advertisements in the city. They are akin to land mafia and strict action will be taken against them now." "Likewise, the FOBs have lost their relevance and become the spots putting up commercials. Most of them do not have facilities like escalators or ramps. I have received several complaints about unauthorised billboards being put up at several places," he added. The DM said the traffic wing and the regional transport office have also been roped in to identify the spots where hoardings and billboards are causing obstructions to the traffic. They will be removed on the recommendations of the two agencies, he added. Moreover, a committee has been constituted under a magistrate-level official which will tally the reports submitted by the civic bodies and the private firms and take action against encroachers. GMC officials said between 2010 and 2013, seven firms had been given permission to build and operate 19 FOBs in the city under the BOT model for 30 years.

Truck with medicine worth Rs 1 crore robbed, six arrested

GHAZIABAD: Six robbers were arrested from Sihani Gate area for allegedly robbing a truck carrying medicines worth Rs 1 crore following a late night gunfight with Ghaziabad crime branch and police. The gang allegedly barged into the godown of Shiva International Company in Industrial Area on the intervening night of August 14 and 15 and conducted robbery after keeping the security guards hostage. Dinesh, one of the accused, had worked with the company for nine years till this March when the company threw him out for being involved in a fraud. Seeking

revenge, he orchestrated this robbery. He contacted the gang which has been active for the last two years and operate on the modus operandi that they find work in factories and rob them later after resigning. Sudhir Kumar Singh, Ghaziabad SSP told TBC that they got a tip off informing that the accused were going with a truck to sell the stolen items in Delhi.

Footbridges don't have lifts, some not even proper stairs

NOIDA: Even as Noida Authority keeps proposing new foot overbridges across the city, the condition of those already constructed is dilapidated and they are nearly unusable. At many places, they don't have lifts or escalators. Some are inaccessible and unsafe. Noida Authority CEO Ritu Maheshwari recently asked officials to remove advertisements from 13 such structures that were not maintained properly. In the past one week, some have started installing lifts and improving access, but much is left to be achieved in terms of accessibility and design. "At most places, there is no lift. In the one near Parthala Chowk, even the stairs are not made properly and seem unsafe. The platform is so high that no elderly or disabled person can reach it," said Abhay Pandey, a resident of Sector 121. The TBC team visited several foot overbridges (FOBs) and saw that, in many places, they are not used frequently. At the FOB between Sectors 15 and 16, there is no lift and the iron sheets are tearing off from the pillars.

Child-lifting rumours fuel mob frenzy in Ghaziabad

GHAZIABAD: Two strangers standing next to each other on a road in Ghaziabad's Tronica City were suddenly attacked by a mob on Wednesday morning because they "looked like child-lifters". The previous day, a 58-year-old woman walking with her four-year-old grandson on a road in Loni was thrashed by a group that thought she had kidnapped the child, their suspicion aroused by the "difference in the woman's and the kid's complexions". The woman might have been killed by the mob had a police team not intervened and rescued her. Rumours and fake videos of children being kidnapped are generating paranoia about traffickers lurking around neighbourhoods, leading to a spate of attacks like these over the past week, especially in rural areas of the district. The police, worried that this could spread fast, issued an advisory on Wednesday warning people against indulging in violence. They have started going around villages and making announcements on public address systems, saying they will identify those involve in violence through CCTV footage and social media videos. Since August 23, four FIRs have been registered in connection with cases where people were beaten up over rumours of child-lifting in Ghaziabad. Cases are yet to be filed in two more cases. The triggers for the attacks ranged from perceived suspicious behaviour to skin tone. The woman beaten up in Loni was thought to be a kidnapper because the mob believed her grandson, who has a lighter complexion, could not be related to her. "They were saying the child was fair while the woman was dark-complexioned. We reached the spot in time and rescued her from the mob," a police officer said on Wednesday. Seven people have been arrested under sections 147 (rioting), 148 (rioting, armed with deadly weapon), 325 (voluntarily causing grievous hurt), 504 (intentional insult with intent to provoke breach of peace) and 506 (criminal intimidation) of the IPC. SP (city) Shlok Kumar said: "Most of these cases have been reported in rural areas. We have come out with an advisory that if anyone finds any suspicious moment, s/he should inform the police instead of taking the law in their own hands." Police are also keeping a close watch on social media.

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम – 2824416
आवास – 2820106
एडीएम (सिटी) – 2828411
एडीएम (प्रशासन) – 2827016
सिटी मजिस्ट्रेट – 2827365
आयकर विभाग– 2714144
पासपोर्ट कार्यालय– 2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी –2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–2854015
पुलिसअधी. यातायात–2829520
सीओ प्रथम– 2733070
सीओ द्वितीय – 2791769
सीओ एलआईयू– 2700925
सीओ लोनी– 3125539

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए – 2791114
जीडीए सचिव – 2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. – 2710754
सी.एम.एस. – 2730038
आपातकालीन – 2850124
कोलम्बिया एशिया –3989896
यशोदा अस्पताल–2750001–04
गणेश अस्पताल –4183900
संतोष अस्पताल –2741777
सर्वोदय अस्पताल –2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल 2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस) 2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

आदेश कुमार (जीएम) 2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम – 2734906
कोतवाली – 2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –2766898

पुलिस स्टेशन

एसएचओ इंदिरापुरम–संदीप कुमार सिंह– 9643322921
एसएचओ लिंक रोड– लक्ष्मी सिंह चौहान– 9643322924
एसएचओ–साहिबाबाद– जितेंद्र कुमार सिंह– 9643322923
एसएचओ खोड़ा– सतेंद्र प्रकाश– 9643322922
कोतवाली – 2732088
सिहानी गेट – 2791627
कविनगर – 2711843
विजयनगर – 2740797
इंदिरापुरम – 2902858
लोनी – 2600097
अग्निशमन विभाग –2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी –131

नगर निगम

नगरायुक्त– 2790425,2713580

विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता – 2821025

पूछताछ

रेलवे कस्टमर –2797840, 139
रिजर्वेशन – 8888
रोडवेज इन्कवायरी –2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Phone No.: 0120-4561000

Ghaziabad flyover opened in May still without power line for its lights

Ghaziabad: Vasundhara flyover was commissioned in May and inaugurated in June but the city's civic agencies have cared little for it since, evident in the flyover remaining draped in darkness because it is yet to receive the power connection needed for its streetlight poles. Motorists headed towards Mohan Nagar on the Link Road have often complained that the flyover is difficult to spot from a distance because the streetlights don't function in the entire area, leading to sharp manoeuvres near the approach that increase the possibility of an accident. However, the two agencies that constructed the flyover, the UP Bridge Corporation and Ghaziabad Development Authority, have failed to react to these concerns. Vasundhara flyover is used by thousands of commuters every day and should not have been opened without light connections, commuters said. "The city's roads are already unsafe because there is no enforcement of traffic rules and faulty designs," said Alok Kumar, president, of the Federation of Apartment Owners Association .

Two cyclists crushed to death on Delhi-Meerut Expressway

GHAZIABAD: Two cyclists were crushed to death on Friday morning after a truck carrying construction material overturned and fell on them on the Delhi-Meerut Expressway near Chhajarsi. The deceased, Subhash Gaur, and his friend Ram Pravesh, residents of Vijay Nagar, worked in a media house in Noida Sector 63, and they were returning home after night duty when the incident took place. Locals told police that the incident took place near the Hindon bridge. The vehicle has been seized.

Huge haul of contraband by Barnala police, 10 booked; main supplier from Ghaziabad

CHANDIGARH: In a drive against drugs Barnala police have recovered a huge haul of drugs and contraband and nabbed nine accused drug smugglers in the case while one is yet to be arrested. The police recovered huge haul of contraband including narcotic tablets and capsules from the accused and also recovered drug money of Rs 6, 40,000 from the accused. Besides this, the Barnala police have recovered around 3,53,500 tablets of Tramadol, 38,400 capsules of Parvorin-spas, 193 (100ml) bottles of syrup SvizCodin, a Pistol 32 Bore along with two live cartridges. The police also recovered three luxury vehicles from the accused including Nissan Micra Car, a XUV Car and a Swift Car from the accused. The police broke this drug chain after arresting two different accused in separate cases in past two months and the links of both these accused were established with the alleged main supplier Rashid, a chemist, in Gaziabad and Rashid's uncle Shamshad Mohammad of Delhi.

Patient died, but Fortis Hospital kept charging, say kin

NOIDA: The family of a woman who died at Fortis has alleged that the hospital did not release her body and asked them to first clear a bill of Rs 6.84 lakh. The hospital, however, denied the claims. Around 11 am on Sunday, there was chaos at the private hospital in Sector 62 after nearly 50 people, including villagers from Mamura, gathered to demand that they be allowed to pick the woman's body. The family of Indu Devi (42), a resident of Sitamarhi, said she had been admitted to the hospital on August 21 after suffering a cardiac arrest.

Revival bid for a year, but Hindon still a dead river

GHAZIABAD: More than a year after the National Green Tribunal (NGT) stepped in to revive the Hindon river and a slew of measures were initiated, its dissolved oxygen (DO) level remains zero. A report by the UP Pollution Control Board (UPPCB) has revealed that the DO level at seven monitoring stations along the Hindon in Saharanpur, Meerut, Ghaziabad and Noida till June this year is either zero or too low. DO is the measure of free oxygen present in water. Too high or too low Levels can harm aquatic life and affect water quality. The Hindon,

which emerges from the Shivaliks in Saharanpur, and crosses seven districts, including Ghaziabad and Noida, before emptying into the Yamuna. Due to the high levels of pollution, Hindon has earned the status of "dead river" and its water declared "unfit" even for bathing. In its report, the UPPCB has pointed out that through 31 major drains across seven districts, sewage and industrial waste to the tune of 674 MLD is drained into the river. While 595 MLD is in the form of sewage, 78 MLD is in the form of industrial effluent from 453 industries located in the catchment area. Of the sewage, only 224 MLD of its being treated. The groundwater quality has also been adversely affected in the catchment areas of the river. Groundwater has been found to be contaminated at 93 locations on one or more parameters such as sulphate, fluoride and heavy metals such as cadmium, copper, lead, iron, nickel, zinc and mercury.

UP's realty regulator begins audit of all 3C sites

NOIDA: UP-Rera, the state's real estate regulator, has begun an audit of all construction sites the belong to the 3C Company, whose subsidiary Granite Gate — the firm behind the Lotus brand of projects — is facing insolvency proceedings at the National Company Law Tribunal (NCLT). Insolvency resolution proceedings are already on at Lotus Panache, Boulevard and Zing. UP-Rera officers said they had started ground inspections of all 3C projects to see if construction work was in progress at the sites.

IMT Ghaziabad: UP: Tussle between GDA and IMT Ghaziabad over land reaches UP government

GHAZIABAD: Acting on the direction from the Allahabad high court, UP principal secretary on Friday heard representations from GDA and IMT Ghaziabad over the issue of 11503 sq yard of land. It has been learnt that GDA is sticking to its position that institute pay up as per current circle rate which amounts to Rs 50 crore. The IMT Ghaziabad wants the cost of land to be computed on the basis of old circle rate which comes to around Rs 1.60 lakh. The UP government will now submit its report to high court which will decide on the matter. "We have categorically said in the meeting that IMT Ghaziabad will have to pay up as per current circle rate for 11503 sq yard of land which the institute is illegally holding up," said Kanchan Verma, vice chairperson, GDA. "As per current circle rate, the cost of land comes to around Rs 50 crore while IMT wants the land be given to them as per old circle rate which comes to around Rs 1.60 lakh," added Verma. After the matter was highlighted by BJP Councillor Rajender Tyagi earlier this year, the GDA in May this year had cancelled land allotment.

No upkeep, snakes a common sight in Greater Noida's parks

GREATER NOIDA: Residents of several sectors, including Alpha, Beta 1 and Omicron, have complained that parks and green areas are not being maintained. Snakes have been sighted in overgrown shrubs, they said. "Despite repeated complaints, overgrown grass, shrubs and trees are a common site across many residential sectors, including Alpha, Beta 1 and Omicron, in Greater Noida. In Sector 36, snakes were spotted entering vacant houses with four-foot-high grass and shrubs," said Harinder Bhati, Sector Beta 1 resident.

Fortune 500 firm, Haldiram allotted land

GREATER NOIDA: US-based Fortune 500 company Avery Dennison and India's leading sweets and snacks manufacturer Haldiram's were on Friday allotted land by the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA). These two companies will invest Rs 476 crore and also create significant employment for local people, officials said. These are said to be the next big investments in YEIDA after Chinese smarphone maker Vivo, which was allotted 169 acres of land in Sector 24A in November 2018, pledged to make investments worth Rs 5,200 crore and generate job opportunities for 25,000 people. "We have allotted 50,000 sq metres to Avery Dennison in Sector 32. It is a company that produces industrial adhesive stickers and will make industrial investments of Rs 231 crore and generate employment opportunities for at least 250 people," Arun Vir Singh, CEO of YEIDA, told TBC. Haldiram's has been given 1 lakh sq metres in Sector 32. "The firm will set up shop, paving job opportunities for 2,000 people," said Singh. Additionally, Jaipuria Senior Secondary School was allotted 24,000 sq m land in Sector 20 of YEIDA.

बेहतर शिक्षा के लिए सरकारी स्कूल को दिए दो कंप्यूटर व तीन इन्वर्टर

धौलाना के कपूरपुर स्थित प्राइमरी स्कूल के बच्चे अब ले सकेंगे कंप्यूटर का ज्ञान, 24 घंटे मिलेगी बिजली

धौलाना : इंटरनेशनल साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली लिगेसी व आरएचएएम (संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान) द्वारा धौलाना के कपूरपुर स्थित प्राइमरी स्कूल को दो कंप्यूटर दिए गए। जिससे यहां के बच्चे भी कान्वेंट स्कूल की तर्ज पर कंप्यूटर का ज्ञान अर्जित कर सकें। इतना ही नहीं बिजली न होने की स्थिति में कंप्यूटर व पंखे चलाने के लिए तीन इन्वर्टर भी रोटरी क्लब व आरएचएएम द्वारा दिए गए। अब यहां के बच्चों को बिजली जाने पर भी कंप्यूटर की शिक्षा से वंचित नहीं होना पड़ेगा। स्कूल में तीन इन्वर्टर लगने से अब 24 घंटे बिजली की सुविधा मिलेगी। आरएचएएम के चेयर डॉ.धीरज भार्गव ने कहा कि सूचनाक्रांति के इस दौर में अब कंप्यूटर शिक्षा हर बच्चे की जरूरत बन चुकी है। पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे इसमें सहज निपुणता हासिल कर लेते हैं। उनके घर से लेकर स्कूल तक कंप्यूटर से दोस्ताना रिश्ता बनाने का माहौल और संसाधन साये की तरह चलता है, लेकिन जो आर्थिक–सामाजिक रूप से इस वर्ग में नहीं होते, उनके लिए कंप्यूटर साक्षरता मुश्किल होती है। ऐसे में यह एक उत्तम विचार है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों को भी कंप्यूटर उपयोग के व्यावहारिक ज्ञान से लैस कराया जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए प्राइमरी स्कूल को दो कंप्यूटर व तीन इन्वर्टर दिए गए है। जिससे यहां के बच्चों का भी भविष्य संवारा जा सके। इस दौरान स्कूल की प्रधानाचार्या अंजना, उपप्रधानाचार्य मनीष भटनागर, अध्यापक बेबी व किरण वर्मा के अलावा रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली लिगेसी के अध्यक्ष रो. मनीष गुप्ता, अपूर्व राज, विक्रम व इंद्रेश तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

दिशा सूचक पट की जगह विज्ञापन लगाने पर फर्म को नोटिस, मांगे 2.84 करोड़ रूपये

गाजियाबाद : नगर निगम ने यूनिपोल और गेट एंट्री पर आधे हिस्से में दिशा सूचक पट (साइनेज) की जगह विज्ञापन लगाने के मामले में एक फर्म को नोटिस दिया है। एक सप्ताह में 2.84 करोड़ रुपये विज्ञापन शुल्क जमा कराने का आदेश दिया है। चेतावनी दी है कि धनराशि जमा न कराने पर यूनिपोल का अनुबंध निरस्त कर दिया जाएगा। नगर आयुक्त दिनेश चंद्र ने बताया कि मेसर्स गैट मोर को नोटिस दिया है। उन्होंने बताया कि फर्म को बीओटी (बिल्ड ऑपरेट एंड ट्रांसफर) पर 150 यूनिपोल और गेट एंट्री लगाने की इजाजत दी गई थी। अनुबंध की शर्तों में स्पष्ट कहा गया था कि यूनिपोल और गेट एंट्री पर आधे हिस्से में दिशा सूचक पट लगाने हैं। इसके बावजूद फर्म ने इस शर्त को पूरा नहीं किया। दिशा सूचक पट की जगह तक विज्ञापन लगा दिया। आपत्ति जताने पर 50 फीसद यूनिपोल पर दिशा सूचक पट लगाए गए। नगर आयुक्त ने बताया कि इस मामले में जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर फर्म को नोटिस भेजा गया है। जितने यूनिपोल और गेट एंट्री पर दिशा सूचक पट की जगह विज्ञापन लगाए गए। उसके हिसाब से विज्ञापन शुल्क की गणना करके फर्म को 2.84 करोड़ रुपये जमा कराने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी फर्म की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
Bureau Chief
5, Ashok Vihar, 3rd Floor,
GMS Road, Nr. Ballupur
Chowk, Dehradun.
Mobile: +91 8130640011
Email: prateekb@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

BUREAU OFFICE
VIKRAM KUMAR
Bureau Chief
12/516, Friends Co-operative
Society Vasundhra,
Ghaziabad (UP)
Mobile: +91 8130640077
Email: vikram@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.